

**22 QUESTIONS OUT OF 28 OF UPSC LAW OPTIONAL MAINS
2016 ARE FROM LAXPERTS PREMIUM TEST SERIES 2016**

COMPULSORY QUESTIONS:- 10 MARKS

(a) “आपराधिक दायित्व की मात्रा के निर्धारण में विधि अपराधी के हतु, पैमाने व चरित्र पर विचार करती है।” कानूनी अपराधों में आपराधिक मनःस्थिति की अनुपस्थिति के प्रकाश में इस कथन का परीक्षण कीजिए।
“In determining the quantum of criminal liability, the law takes into account the motive, magnitude and character of the offender.” Examine this statement in the light of absence of mens rea in statutory offences.

This question was asked as question no “**TEST V- 2(a)**” in lawxperts premium test series 2016

(b) “भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988, लोक सेवका को अपना आधिकारिक क्षमता के दुरुपयोग एवं दुष्प्रयोग करने से रोकता है।” टिप्पणी कीजिए।
“The Prevention of Corruption Act, 1988 prevents the public servants from misuse and abuse of their official capacity.” Comment. 10

This question was asked as question no “**TEST IV- 4(a)**” in lawxperts premium test series 2016

(c) “अभी हाल में त्रुटिहीन दायित्व के नियम में भारी परिवर्तन आया है।” टिप्पणी कीजिए।
“No fault liability rule has undergone a drastic change in the recent past.” Comment. 10

This question was asked as question no “**TEST II - 2(a)**” in lawxperts premium test series 2016

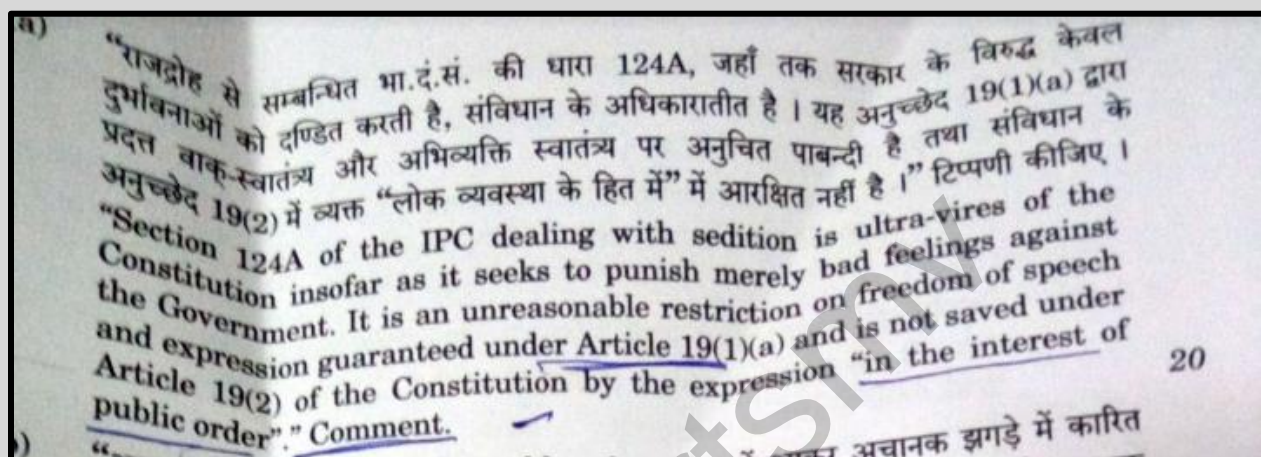
(d) “वादी के केवल दोषमुक्त हो जाने से, दुर्भाव (द्वेष) अनुमानित नहीं हो सकता। दोषमुक्त के अलावा, वादी को यह सिद्ध करना आवश्यक होता है कि उसका अभियोजन द्वेषपूर्वक व बिना यथोचित व सम्भावित कारण के हुआ था।” टिप्पणी कीजिए।
“Malice is not to be inferred merely from the acquittal of the plaintiff. The plaintiff must prove independently of the acquittal that his prosecution was malicious and without reasonable and probable cause.” Comment.

This question was asked as question no “**TEST IV-5(c)**” in lawxperts premium test series 2016

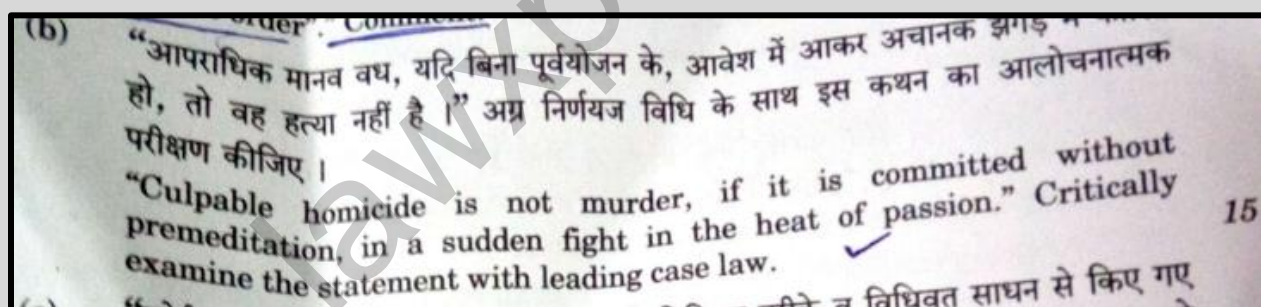
- e) अभिवचन सौदे (प्ली बार्गेन) के विशेष सन्दर्भ में, दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2005 का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
- Critically examine the Code of Criminal Procedure (Amendment) Act, 2005 especially with reference to plea bargaining.

This question was asked as question no “TEST IV – 1(c)” in lawxperts premium test series 2016

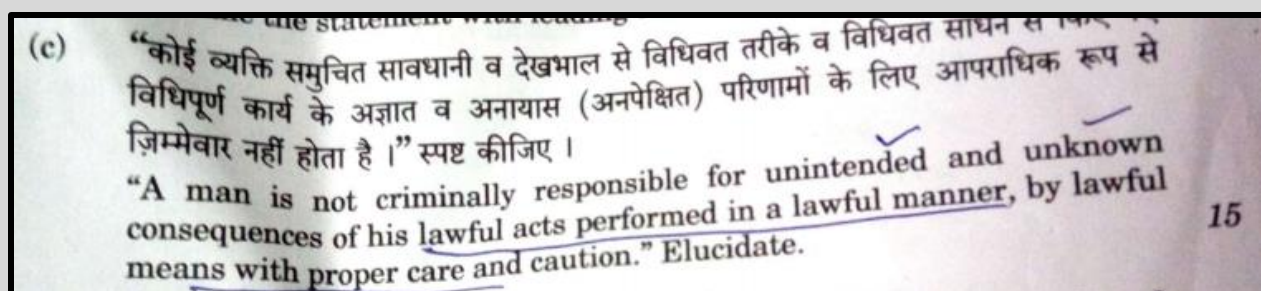
QUESTION NO: 2



This question was asked as question no “TEST I – 1(b)” in lawxperts premium test series 2016



This question was asked as question no “TEST IV- 5(b)” in lawxperts premium test series 2016



This question was asked as question no “TEST II-8(c)” in lawxperts premium test series 2016

QUESTION NO :3

(a) “स्वेच्छा से सहन की गई हानि, न तो वैधिक क्षति होती है और न ही वादयोग्य ।” इसकी परिसीमाओं सहित व्याख्या कीजिए ।
 “Harm suffered voluntarily does not constitute a legal injury and is not actionable.” Elaborate along with its limitations. ✓ 20

This question was asked as question no “ **TEST II- 4(a)** ” in lawxperts premium test series 2016

(b) “परंतु फिर भी, असावधानी का सीधा साक्ष्य सदैव आवश्यक नहीं होता है व वाद की परिस्थितियों से उसे अनुमानित किया जा सकता है ।” निर्णयों के साथ सविस्तर स्पष्ट कीजिए ।
 “Direct evidence of negligence, however, is not always necessary and the same may be inferred from the circumstances of the case.” Elucidate with cases. ✓ 15

This question was asked was not asked

(c) “वादी को जानने वाले लोगों के द्वारा यदि कथन का उससे सम्बन्धित समझा जाय, तो निरर्थक है कि प्रतिवादी मानहानिकारक कथन को वादी पर लागू करने का आशय रखता था या उस वादी के अस्तित्व से अवगत था ।” निर्णयज विधि से स्पष्ट कीजिए ।
 “It is immaterial whether the defendant intended the defamatory statement to apply to the plaintiff or knew of the plaintiff's existence if the statement might reasonably be understood by those who knew the plaintiff, to refer to him.” Elucidate with case law. ✓

This question was asked as question no “ **TEST IV - 2(b)** ” in lawxperts premium test series 2016

QUESTION : 4

Q4. (a) “उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रावधान तत्कालीन प्रवर्तित किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अतिरिक्त होंगे न कि उसके अल्पीकरण में होंगे ।” इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।
 “Provisions of the Consumer Protection Act, 1986 shall be in addition to and not in derogation of the provisions of any other law for the time being in force.” Critically examine the statement.

This question was asked as question no “ **TEST V- 7 (c)** ” in lawxperts premium test series 2016-(indirectly asked)

(b) “षड्यंत्र को अपराध बनाने वाली विधि का उद्देश्य रिष्टि करने की असंयत शक्ति पर रोक लगाना है, जो साधनों के संयोजन से प्राप्त हो जाती है ।” व्याख्या कीजिए ।
 “The law making conspiracy a crime is designed to curb immoderate power to do mischief which is gained by a combination of the means.” Explain.

This question was asked as question no “ **TEST V- 7(b)** ” in lawxperts premium test series 2016

- (c) “व्यक्ति का हरेक परिरोध एक कारावास होता है, चाहे वह सार्वजनिक कारागार में हो या निजी घर में हो, स्टॉक में हो, या लोक मार्गों में जबरन बन्दीकरण के द्वारा हो।” निर्णयज विधि की सहायता से इस बात को स्पष्ट कीजिए।
- “Every confinement of the person is an imprisonment, whether it be in a common prison or in a private house, or in the stocks or even by forcibly detaining one in the public streets.” Explain with the help of case law.

This question was asked as question no “TEST IV - 5(e)” in lawxperts premium test series 2016

QUESTION NO :5

- (a) “स्वीकृति के लिए प्रस्ताव वही है जो माचिस की जलती तिल्ली, गन्ना के छिलके, या गोबर के गोबर के समान है। यह वह उत्पन्न करती है जिसे न वापस किया जा सकता और न निरस्त किया जा सकता” — एन्सन। समझाइए।
- “An offer is to an acceptance what a lighted match-stick is to a train of gunpowder. It produces something which cannot be recalled or undone” — Anson. Explain. ✓

This question was asked as question no “TEST II- 1(c)” in lawxperts premium test series 2016

- (b) “हर संविदा में एक ‘मूल’ या ‘मौलिक दायित्व’ होता है, जिसका पालन में असफल रहता है, तो वह होता है। यदि कोई पक्षकार इस मौलिक दायित्व के पालन में असफल रहता है, तो वह संविदा भंग का दोषी होगा, भले ही उसे बचाने की कोई उपधारा सम्मिलित की गई है या नहीं।” निर्णयज विधि के साथ इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
- “Every contract contains a ‘core’ or ‘fundamental obligation’ which must be performed. If one party fails to perform this fundamental obligation, he will be guilty of a breach of contract whether or not any exempting clause has been inserted which purports to protect him.” Critically examine the statement with case law.

This question was not asked

- (c) “व्यक्तियों का कोई समूह फर्म है या नहीं, अथवा कोई व्यक्ति फर्म में साझेदार है या नहीं, इसका निर्धारण पक्षकारों के बीच सभी संबद्ध तथ्यों द्वारा प्रदर्शित वास्तविक सम्बन्धों के आधार पर होता है।” टिप्पणी कीजिए।
- “In determining whether a group of persons is or is not a firm, or whether a person is or is not a partner in the firm, regard shall be had to the real relations between the parties, as shown by all relevant facts taken together.” Comment.

This question was asked as question no “TEST V- 5(c)” in lawxperts premium test series 2016-(Indirectly asked)

- (d) A ने B से ₹ 1,000 कर्ज लिया, परंतु कर्ज पारसामा आधानयम, 1963 के अन्तर्गत है। तदुपरान्त A ने पूर्व ऋण की जगह ₹ 1,000 अदा करने के लिखित वचन पर हस्ताक्षर किया। इस करार की विधिमान्यता का निर्णय कीजिए।
A owed B ₹ 1,000, but the debt is barred by the Limitation Act, 1963. Subsequently A signs a written promise to pay ₹ 1,000 on account of the previous debt. Decide the validity of this agreement.

This question was not asked.

- (e) “प्रक्राम्य लिखत के हर एकमात्र निष्पादक, लेखीवाल, पाने वाला या पृष्ठांकित या सभी संयुक्त निष्पादक, लेखीवाल, पाने वाले या पृष्ठांकित, इसे पृष्ठांकित या प्रक्रामण कर सकते हैं।” उपर्युक्त कथन के प्रकाश में, पृष्ठांकन और प्रक्रामण के बीच भेद बताइए व ‘पृष्ठांकन’ के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या भी कीजिए।
“Every sole maker, drawer, payee or endorsee, or all of joint makers, drawers, payees, or endorsees, of a negotiable instrument may endorse and negotiate it.” In the light of the above statement, distinguish between endorsement and negotiation and also explain different kinds of ‘endorsements’.

10

This question was not asked

QUESTION NO.6

- Q6.** (a) “सूचना अधिकार अधिनियम, 2005, प्रत्येक लोक प्राधिकरण की कार्यशैली में पारदर्शिता व जवाबदेही को बढ़ाने के लिए अधिनियमित किया गया था।” गत दस वर्षों में, सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 द्वारा यह उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त हुआ है? अपने उत्तर का आलोचनात्मक विश्लेषण, अपवादों व निर्णयज विधि की सहायता से कीजिए।
“The Right to Information Act, 2005 was enacted in order to promote transparency and accountability in the working of every public authority.” How far has this goal been achieved by the Right to Information Act, 2005 in the last ten years? Critically analyse your answer with the support of exceptions and case law.

15

This question was asked as question no “TEST V- 4(b)” in lawxperts premium test series 2016

- (b) “यद्यपि मीडिया विचारण (ट्रायल) के लिए कोई कानून नहीं है, तथापि, मूल अधिकारों के अधीन वाक्-स्वातंत्र्य और अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य में मीडिया को साक्ष्य पर आधारित अपने विचार प्रकट करने की स्वतन्त्रता है। इस विचारण का न्यायालय के समक्ष कोई प्राधिकार नहीं होता है।” इस कथन का निर्णयज विधि सहित आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
“Though there is no law for media trial, however, in freedom of expression and speech under fundamental rights, media has the freedom to express its views based on evidence. This trial has no authority before the court of law.” Critically examine the statement with case law.

15

This question was asked as question no “ **TEST IV -6(a)** ”in lawxperts premium test series 2016

(c) “जब वादी की जानकारी में विशेष पहचान का व्यक्ति अस्तित्व में हो और वादी केवल उसी व्यक्ति से व्यवहार करना चाहता हो, केवल तभी पहचान की त्रुटि हो सकती है। यदि धोखेबाज़ द्वारा ग्रहण किया गया नाम काल्पनिक है, तो पहचान की कोई त्रुटि नहीं होगी।” इस कथन का अग्र निर्णयज विधि के साथ परीक्षण कीजिए।

“There can be a mistake of identity only when a person bearing a particular identity exists within the knowledge of the plaintiff, and the plaintiff intends to deal with him only. If the name assumed by the swindler is fictitious, there will be no mistake of identity.” Examine the statement with leading case law.

This question was not asked .

QUESTION NO.7

2015 के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण संशोधनों पर प्रकाश डालिए।
Highlight the important amendments made in the Arbitration and Conciliation Act, 1996 by the Arbitration and Conciliation (Amendment) Act, 2015.

(b) “ 15

This question was asked as question no “ **TEST II- 2(a)** ”in lawxperts premium test series 2016

(b) “अधिकर्ता के प्राधिकार का समापन (प्रतिसंहरण) मालिक द्वारा कुछ नियमों के अन्तर्गत किया जा सकता है।” अधिकर्ता के संरक्षण के प्रकाश में इन नियमों का परीक्षण कीजिए।
“The revocation of agent's authority can be made by the principal subject to certain rules.” Examine these rules in the light of protection to agent.

(c) “ 15

This question was asked as question no “ **TEST IV- 7(a)** ”in lawxperts premium test series 2016 (indirect)

(c) “अप्रदत्त विक्रेता के अधिकार पक्षकारों के बीच अभिव्यक्त या विवक्षित करार पर आधारित नहीं होते हैं। वे विधि की विवक्षा के द्वारा उत्पन्न होते हैं।” सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
“The rights of unpaid seller do not depend upon any agreement, express or implied, between the parties. They arise by implication of law.” Elucidate.

20

This question was not asked

QUESTION NO.8

8. (a) “संविदा भंग के लिए नुकसानी की अदायगी का उद्देश्य पीड़ित पक्ष को उसी स्थिति में लाना है, जिसमें उसे जहाँ तक धन द्वारा किया जा सकता है, जैसे कि उसे हानि नहीं हुई हो।” उपर्युक्त कथन के प्रकाश में, न्यायालय कौन-कौन सी विभिन्न प्रकार की नुकसानियाँ अधिनिर्णीत कर सकता है ? साथ ही नुकसानी निर्धारण से संबंधित नियमों की भी व्याख्या कीजिए।

“The object of awarding damages for a breach of contract is to put the injured party in the same position, so far as money can do it, as if he had not been injured.” In the light of the above statement, explain the various kinds of damages that the court can award. Also explain the rules relating to assessment of damages.

20

This question was asked as question no “TEST IV -7(b)” in lawxperts premium test series 2016

(b) सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 के द्वारा 2008 में संशोधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रमुख अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिए और अपने विचार भी व्यक्त कीजिए।

Explain the salient features and your views on the Information Technology Act, 2000 as amended in 2008 by the Information Technology (Amendment) Act, 2008.

15

This question was asked as question no “TEST IV -5(d)” in lawxperts premium test series 2016

(c) “लोक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991 का उद्देश्य खतरनाक (परिसकटमय) उद्योगों में हादसों के पीड़ितों को मुआवज़ा लेने के किसी अन्य अधिकार के अलावा राहत प्रदान करना है।” निर्णय विधि के साथ स्पष्ट कीजिए।

“The object of Public Liability Insurance Act, 1991 is to provide relief to the victims of accidents in hazardous industries in addition to any other right to claim compensation.” Explain with case law.

15

This question was asked as question no “FREE MOCK TEST” in lawxperts premium test series 2016.

JOIN THE BEST TEST SERIES FOR UPSC LAW OPTIONAL!

LAWXPERTS PREMIUM TEST SERIES 2017

FEATURES : 12 TESTS : TOPIC-WISE, SUBJECT-WISE, PAPER-WISE AND FULL-LENGTH TEST. And many more exciting features.....

FOR MORE DETAILS : <http://www.lawxpertsmv.com/single-post/2016/11/25/Premium-Law-Optional-Test-Series-2017>

Contact us at lawxpertsmv@gmail.com